[चौधरी चरण सिंह]

मेंट के पास एविडेंस नहीं होता है तो इस पर यहां कुछ लोगों ने कहना शुरु कर दिया कि देर हो रही है, गवर्नमेंन्ट सीरियस नहीं है। लेकिन यह बात गलत है। अगर आज इसकी बाबत मैं कुछ जवाब नहीं दे सकता हूं तो यह बात नहीं है कि उसको मैं सीरियस नहीं समझता बल्कि कुछ मजबूरी है। हमने चीफ मिनिस्टर को मशविरा दिया है, क्या मशविरा दिया है वह बताना उचित नहीं है। लेकिन जैसी मैंने आशा प्रकट की है, मुझे उम्मीद है वे मेरे मशविरे को मानेंगे। अगर नहीं मानेंगे तो उस के बाद कानून और संविधान के अन्दर क्या किया जा सकता है यह विचारने की बात होगी।

श्रीमती अहिल्या पी० रांगनेकर (बम्बई उत्तर मध्य): अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपने स्टेटमेंन्ट में कहा है—

These activities included cold blooded murder and other serious offences.

लेकिन तारकुण्डे कमीशन ने तो अपनी रिपोर्ट में एमरजेन्सी के दौरान जो अत्याचार हुए हैं, उस में इन्वाल्वड पेंसिफिक पुलिस आफिसर्ज के नाम भी दिये हुए हैं, जिन्होंने अत्याचार किया है। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी कहा है कि इन लोगों ने "सैडिस्टिक" अत्याचार किये हैं, लड़कियों को नचाने के लिये कहा गया, उन के ऊपर रेप करने की बात भी कही गई। मंत्री महोदय ने कहा है कि हम ने उन की सजेश्चन्ज को राज्य सरकार को भेजा है। जो खुद गुनहागार है, उस को सजेश्चन्ज भेजने से या रिपोर्ट भेजने से कुछ होने वाला नहीं है। हमारा आप से यह अनुरोध है कि तारकुण्डे कमीशन की रिपोर्ट को स्वीकार कीजिये और एक न्यायिक जांच कमीशन नियुक्त कीजिये जो सच्चाई को निकाल कर आप के सामने रखे। वहां की सरकार के पास उन के सजेश्चन्ज को भेजने से कुछ नहीं होगा, क्योंकि केरल का उदाहरण हमारे सामने है, वहां के मिनिस्टर करूणाकरण ने कोर्ट के सामने झूठा बयान दिया, ऐसा ही आन्ध्र में भी होगा। इसलिये केन्द्रीय सरकार को स्वयं न्यायिक जांच कमीशन बनाना चाहिये।

चौधरी चरण सिंह: मैं इस बात को पहले ही कह चुका हूं, लेकिन हमारी बहन को तसल्ली नहीं हुई। तारकुण्डे जी ने जो सजेश्चन्ज दी हैं, उस के लिये वे इस देश और सरकार की तरफ से धन्यवाद के पात्र है। लेकिन मैं आप के जरिये एक बात कहना चाहता हूं—इस सिलसिले में तत्काल क्या कार्यवाही की जा सकती है इस सिलसिले में और सरकार फौरन कोई घोषणा नहीं कर सकती है तो आप इस का कोई एडवर्स इन्फेन्सन निकालिये, जो कुछ भी इस सिलसिले में हो सकता है, किया जा रहा है।

जैसा आप साहबान ने कहा कि सरकार को यह करना चाहिये, वह करना चाहिये, मैं आप से अगर यह सवाल पूछ कि सरकार के पास इस के लिये कौन सा कानूनी अधिकार है तो जवाब देना मुश्किल होगा, लकिन मैं आप को उस पोजीशन में डालना नहीं चाहता।

श्री गंगाधर अप्पा बुराडे (भिर): मुझे इस बारे में यही निवेदन करना है कि जैसा तारकुण्डे जी ने कहा है, सैन्ट्रल गवर्नमेन्ट को इस मामले को अपने हाथ में लेना चाहिये और एन्क्वायरी कमीशन बैठाना चाहिये। मंत्री महोदय ने इस मामले को आन्ध्र सरकार को सौप दिया है, लेकिन व इस सिलसिल में कुछ भी करने वाले नहीं है, इस लिये आप को फौरन कमीशन बैठाना चाहिय।

चौधरी चरण सिंह: माननीय मित्र ने जो सुझाव दिया है, उस को मैंने नोट कर लिया है।

12.19 hrs.

STATEMENT RE. RECENT INCIDENTS OF VIOLENCE AND ATROCITIES IN JAMMU AND KASHMIR

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (CHAUDHURI CHARAN SINGH): Sir, the Central Government view with serious concern the resort to violence in Kashmir Valley in the course of election campaign during the last few days. Some clashes have already taken place between rival political groups.

In one incident, Dr. Jagat Mohini, Janta Party candidate from Habbakadal was seriously injured by a large stone thrown on her car on 7-6-1977 while she was returning from a peaceful election meeting. She was provided with special medical aid and is reported to be improving satisfactorily. The case is under investgation by the crime branch. Three suspects have been arrested.

In an incident at Anantnag a clash took place on 11-6-1977 between the supporters of National Conference and Awami Action Committee during a visit of Maulvi Mohd. Farooq. While the buses carrying his supporters were returning to Srinagar, brick-bats were exchanged between the supporters of the two parties. A few buses were damaged and 44 persons injured, of whom 11 were hospitalised. Some buses and cars carrying school children and tourists were however caught up in the cross brick-batting on the National Highway. On the same day some minor fires broke out in a corner of Avantipura town as brick-bats were being exchanged between the local residents of the town and Awami Action Committee workers returning from Anantnag. It is reported that 8 houses, 4 shops, 5 kothas and 9 cow-sheds were damaged. The cause of the fire is being investigated.

The State Government have taken steps to ensure that while the legitimate election activities are allowed to be carried on in a free and peaceful manner, there is no intimidation and the anti-social elements are not allowed to vitiate the atmosphere. Sufficient police posts have been set up in the areas effected by violence. Otherwise, normal life including the usual tempo of tourist traffic continues uninterrupted.

We are most anxious that free and fair elections should take place in Kashmir in an atmosphere of peace and harmony. I seek earnestly the co-operation of all political parties in this task. At the same time, I would like to emphasize that attempts to intimidate or to rouse communal passions or to resort to violence will be firmly dealt with according to law. The State Government will be given all support and resources to maintain peace and not allow anyone to disturb the prospects of a free and fair election.

12.20 hrs.

RAILWAY BUDGET, 1977-78—GENERAL DISCUSSION—*Contd.*

MR. SPEAKER: In the evening we have short duration discussion under Rule 193. Perhaps from 6 O' clock we will be discussing that subject about law and order all that. Now we will begin the Railway Budget discussion. We have got a balance of three hours. The hon. Minister will be replying at 5 O'clock so that we can begin the other discussion at 6 O' clock and go on for half-an-hour or forty-five minutes depending upon the circumstances. Shri Durga Chand may continue his speech.

श्री दुर्गा चंद (कांगड़ा) : अध्यक्ष जी, कल मैं ने रेलवे बजट के मुताल्लिक कुछ कहा था। मंत्री महोदय ने जो रेलवे बजट पेश किया है, उस के मुताल्लिक हमारे मुहतरम अपोजीशन के मेम्बरों ने कुछ नुक्स निकालने की कोशिश की है। मुह्तरम कुरेशी जी ने बहुत सारे सजेश्चन्स दिये हैं और बहुत सारी बातें उन्होंने कहीं हैं लेकिन मैं तो यह समझता हूं कि जो कुछ भी उन्होंने कहा है वह सैल्फ-क्रिटिसिज्म है और बजट के जो रिडीमिंग फीचर्स हैं उन को दिखाने की कोशिश नहीं की गई। इस बजट पर मुख्तलिफ अखबारों में जो कमेंट्स हैआई हैं उन को सभी जानते हैं। उन्होंने कहा कि यह जो बजट आया है यह जनता बजट